प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।

स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें https://dainikyashonnati.com एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+15 अंक 99 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी रविवार 06 अगस्त 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार ..... पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

भाजपा ने पिछड़े और वंचित तबके को विकास की मु यधारा से जोड़ने का काम किया - कविता पाटीदार

आलोक दुबे के समक्ष सैकड़ो युवाओ एवं अन्य दलों से आये कार्यकर्त्ताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

सिवनी यशोः - हमारी सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिये प्रतिबद्ध है, पूरे प्रदेश को विकसति बनाना हमारा लक्ष्य है बरघाट विधानसभा भारतीय जनता पार्टी का अजेय गढ़ रही है इस क्षेत्र के मतदाताओं ने सदैव भाजपा पर अपना विश्वास जताया है । कुछ कमियों के चलते हम पिछली विधानसभा में अपने प्रत्याशी को विजयी नहीं बना पाये जिसके चलते इस विधानसभा का आपेक्षित विकास नहीं हुआ बल्कि जनहित को ताक पर रखते हुये विरोध की राजनीति के चलते विकास कार्यो को अवरूद्ध करने का काम कांग्रेस द्वारा किया गया है । हमें आने वाले चुनाव में दृढ़ संकल्प के साथ जुटना है क्षेत्र के लोगो का विश्वास हमारे साथ है और निश्चित ही हम यहाँ विजयी होकर इस क्षेत्र के विकास को गति देंगे और रूके हुये कार्यो को पूरा करेंगे । इस आशय की बात गत दिवस बरघाट में भाजपा के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्त्ता स मेलन को संबोधित करते हुये श्रीमती कविता पाटीदार द्वारा कही गयी ।

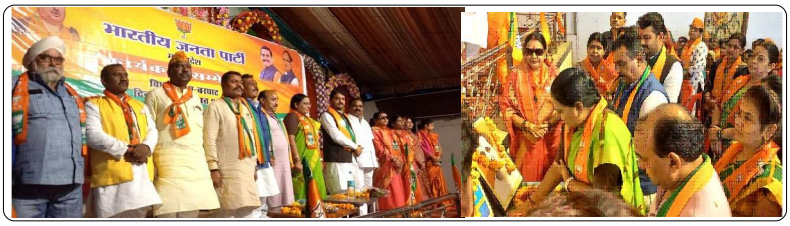

श्रीमती पाटीदार ने कहा कि हमारी केन्द्र और राज्य सरकारों ने सर्वाहार वर्ग के समग्र विकास के लिये अनेको अनेक कल्याणकारी योजनाएँ बनायी है जहाँ एक ओर पिछड़े और वंचित तबके को विकास की मु यधारा में जोड़ने का कार्य किया है वहीं मातृशक्ति को केन्द्र में रखते हुये महिला सशक्तिकरण के लिये अभूतपूर्व कार्य किये है जिसके परिणाम भी स्पष्ट रूप से दिख रहे है । हमारी सरकार ने जहाँ बच्चियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना, उनकी शिक्षा के लिये अनेक योजनाएँ बनायी वहीं प्रदेश के यशस्वी मु यमंत्री ने प्रदेश की बहनों को आर्थिक संबल देने पवित्र उद्देश्य से लाड़ली बहना योजना के माध्यम से सीधे एक हजार रूपये प्रतिमाह देना प्रारंभ किया है जबकि इसी राशि को बढ़ाते हुये तीन हजार रूपये तक करने का हमारा लक्ष्य है । आज प्रधानमंत्री आवास की चाबियाँ भी महिलाओं को सौंपी जा रही है ताकि उनका भविष्य सदैव सुरक्षित रहे ।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत अग्रवाल ने बताया कि इस स मेलन को संबोधित करते हुये भाजपा जिलाध्यक्ष आलोक दुबे ने कहा कि हम एक विचार के लिए कार्य करते हैं, हमने सदैव राष्ट्रवाद, अंत्योदय और सुशासन को केन्द्र में रखा है । आजादी के बाद 55 वर्षो तक एक ऐसी सरकार रही जिसके कार्यकाल में देश के विकास की योजनाएँ कागजों तक सीमित रही जबकि हमने विकास को धरातल पर उतारने का कार्य किया है । बरघाट विधानसभा में अपनी जीत का परचम फहराना है हमें ध्यान रखना है कि हमारा प्रत्याशी सिर्फ कमल का फूल है । हम सभी को संगठित होकर कार्य करना है और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजनता तक पहुँचाना है । आज यहाँ उपस्थित कार्यकर्त्ताओं की सं या और उनमें व्यापत उत्साह इस बात का प्रतीक है कि हम इस विधानसभा से भारी मतो से विजयी होंगे । यह हमारे लिये प्रसन्नता की बात है कि आज हमारे बीच बड़ी सं या में नवयुवा एवं अन्य दलों के प्रभावशाली नेता और जनप्रतिनिधि भाजपा परिवार में शामिल हो रहे है उनका हम हृदय से स्वागत करते है । श्री दुबे कार्यकर्त्ताओं के बीच सरकार की सभी योजनाओं को विस्तृत रूप से रखते हुये जिले में इन योजनाओं के हितग्राहियों की सं या का भी उल्लेख किया ।

भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज मर्दन त्रिवेदी ने बताया कि ने बताया कि स मेलन को संबोधित करते हुये युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार ने कहा कि हमारे कार्यकर्ता निष्ठावान, सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ता हैं जो भी कार्य करते हैं पूरी जि मेदार के साथ करते हैं । यही कारण है कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा संगठन है जिसके कार्यकर्ता होने का हमे गौरव हासिल है । कार्यकर्त्ता पूरे आत्मविश्वास के साथ लोगों के बीच जाये, उनसे संपर्क करें, उन्हें सरकार के कार्यो और योजनाओं से अवगत करायें आज मध्यप्रदेश का चौमुखी विकास चारों ओर दिख रहा है देश का विकास भी जनता देख रही है, भाजपा के सशक्त नेतृत्व में भारत का स मान बढ़ा है।

भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने बताया कि श्रीमती मीना बिसेन ने कार्यकर्त्ता स मेलन में बरघाट विधानसभा से संबंधित प्रतिवेदन का वाचन किया । आपने कहा कि 51प्रतिशत वोट लेने के लिए प्रत्येक बूथ में कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। सोशल मीडिया में पार्टी सक्रिय है, हमारे कार्यकर्ता सरकार ने जो विकास कार्य किए हैं वह सबके सामने लेकर पहुंचे।

श्री ठाकुर ने बताया कि इस कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गोमती ठाकुर द्वारा किया जाकर आभार प्रदर्शन बरघाट विधानसभा प्रभारी एवं जिला महामंत्री अजय डागोरिया द्वारा किया गया कार्यक्रम में मार्गदर्शक के रूप में जिला संगठन के प्रभारी अरूण द्विवेदी के साथ ही जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री अशोक तेकाम,क्षेत्र के पूर्व विधायक कमल मर्सकोले, नरेश वरकडे, डॉ श्याम सिंह कुमर, राकेश तेकाम,लोचन सिंह मर्सकोले ने भी कार्यक्रम में अपने प्रेरक विचार रखें । कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री गजानंद पंचेश्वर, श्रीमती इमराता साहू, बरघाट जनपद अध्यक्ष श्रीमती आभा रांहगडाले श्रीमती अनिल पाठक हरदीप सिंह भाटिय विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्षगणों में विवेक बिसेन, विजय रांहगडाले,गौरव बिसेन, मोनू दीक्षित, मानसिंह सनोडिया, श्रीमती सुनीता भट्ट, रंजीता बोपचे की सक्रिया भूमिका कार्यक्रम को सफल बनाने में रही । कार्यक्रम में क्षेत्र के आपेक्षित श्रेणी के कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे ।

रमेश राय केवलारी विधानसभा प्रभारी नियुक्त

आलाकमान के निर्देश पर पि.व.मो. ने की नियुक्ति

सिवनी यशोः-आगामी विधानसभा चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा,प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहा, महामंत्री और प्रदेश प्रभारी पि.व. मोर्चा रणवीर सिंह रावत सहमति तथा मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रीत पाल जी की अनुशंसा से भारतीय जनता पार्टी पिछडा वर्ग मोर्चा ने प्रदेश भर में विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति की है।

जिसमें सिवनी जिले के केवलारी विधानसभा क्षेत्र के विधानसभा प्रभारी के रूप में कान्हीवाडा निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश राय की नियुक्ति की गयी है।श्री राय वर्तमान में पिछडा वर्ग मोर्चा सिवनी के मंत्री तथा विधायक केवलारी श्री राकेश पाल सिंह के जनपद प्रतिनिधी के पद पर हैं। श्री राय की इस नियुक्ति से केवलारी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष व्यास है सभी ने पार्टी आलाकमान का आभार मानते हुए श्री राय को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।श्री राय की छवि बेहद सक्रिय,अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ता के रूप है। जिसका फायदा आगामी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को निश्चित ही मिलेगा।

शासकीय राशि का गबन करने वाले भ्रष्टाचार के आरोपीगणों को 5-5 वर्ष की सजा

सिवनी यशोः- शासकीय राशि का गबन करने वाले भ्रष्टाचार के आरोपीगणों को कोर्ट ने 5-5 वर्ष की सजा सुनाई है।

प्रताप सिंह सनोडिया द्वारा दिनांक 07/04/2011 को एक परिवाद माननीय विशेष न्यायालय सिवनी में प्रस्तुत किया जिसमें आरोपीगण चन्द्रकान्त सनोडिया पिता रामकुमार उम्र 36 वर्ष सरपंच एवं अजय पाठक पिता स्वर्गीय भगवतप्रसाद सचिव, ग्राम पंचायत हथनापुर द्वारा पंचायत में करायें गये शासकीय कार्यो में अपने पद का दुरुपयोग कर शासकीय राशि का गबन करने के आक्षेप लेख किये गये।

माननीय न्यायालय के आदेश पर जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्य एवं साक्षियों के कथन से पाया गया कि अनावेदकगणों द्वारा पंचायत हथनापुर को विभिन्न शासकीय योजनाओं में अनियमिताये एवं षड्यंत्र पूर्वक

अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शासकीय राशि का गबन करना पाया गया जो प्रथम दृष्ट्या 2,11,985 रुपये का दुरुपयोग करना पाया गया है। जिससे शासन को आर्थिक क्षति हुई है।

प्रदीप कुमार भौरे मीडिया सेल प्रभारी/सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, सिवनी ने बताया कि जांच कार्रवाही पर आरोपीगण चन्द्रकान्त सनोडिया एवं अजय पाठक को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1) डी,13(2) एवं भादवि0 कि धारा 409,120 बी के अन्तर्गत अपराध पंजीबद्ध कर माननीय श्रीमान खालीद मोहतरम अहमद प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सिवनी के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जिसमें शासन की ओर से श्री नवलकिशोर सिंह, विशेष लोक अभियोजक/सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सिवनी के द्वारा गवाहों एवं सबूतों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, एवं तर्क दिया गया कि आरोपीगण द्वारा शासकीय राशि का गबन किया गया है जिससे समाज में भ्रष्टाचार जैसे बुराई को बढ़ावा मिलेगा आरोपीगण को अधिक से अधिक दंड से दंडित किये जाने की प्रार्थना की गई।

न्यायालय के द्वारा सबूतों ,गवाहों एवं तर्कों से सहमत होते हुए आरोपीगण चन्द्रकान्त सनोडिया एवं अजय पाठक को धारा 120बी भादवि. में 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10,000 रुपए के अर्थदंड, धारा 13(1) (डी) /13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10,000 रुपए अर्थदंड से दंडित किया गया।।

राहुल गांधी की सजा पर रोक, कांग्रेस कार्यालय में मिष्ठान वितरण

सिवनी यशोः- ''यह सच्चाई और न्याय की जीत, सत्यमेव जयते, नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत'' गुजरात कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा पर रोक लगा दी, अब राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होगी। राहुल गांधी की यह जीत देश के न्याय और सच्चाई की जीत है, उन लोगो के मुँह में करारा तमाचा है जो दबे, कुचले, शोषित वर्ग की आवाज उठाने वालों को किसी भी तरह से दबाना चाहते थे। माननीय सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद देश का आम जन भी समझ गया होगा कि सत्ता में बैठे लोग किस तरह से मनमानी पर उतारू है।

राहुल गांधी जी की सजा पर रोक एवं संसद सदस्यता बहाल होने पर जिला कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार खुराना की उपस्थिति में समस्त कांग्रेस जनों ने बैंड बाजे, फटाखे के साथ खुशी जाहिर कर मिष्ठान वितरण किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ साजिश आज नाकाम हो गयी है माननीय उच्चतम न्यायालय के न्यायपूर्ण फैसले को धन्यवाद देता हूँ।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष ब्रजेश सिंह लल्लू बघेल, मोहनसिंह चंदेल, अतुलचंद मालू, देवीसिंह चैहान, राजेन्द्र सिसोदिया, डालचंद बर्वे, निर्मल निखारे, गेंदलाल भलावी, राजिक अकील, भीष्मप्रतापसिंह अप्पू ठाकुर, राजू सनोडिया, राजेश मानाठाकुर, पंकज बाउसकर, सुमित मिश्रा, विपिन यादव, दीवान आजम अली, संदेश तिव्हन, सुशील ठाकुर, अनिल गगवानी, सागर बघेल, शाहिद रानू, विनोद यादव, अंशुल अवस्थती, जिब्राईल अंसारी, रामकिशोर बघेल, श्रीमति ललिता बघेल, शिबू सेंगर, नब्बू भाई, एड. फिरोज कुरैशी, राजा मुबीन, जोएब जकी अनवर, संदीप चैहान, नमन चैरसिया, वसीम रायल,, मोहसिन खान, टिकेन्द्र देशमुख, धनंजय सिंह, नन्दू यादव, राकेश अग्रवाल, साजिद सज्जू खान, सुजीत गोदरे, जयप्रकाश परिहार, नितिन बघेले, रहीम शाह, अंकुश कांड्डा, माधव बररिया, मोहित मिश्रा, अजय विश्वकर्मा, सहित अनेक कांग्रेस जन उपस्थित रहें।

पेसा नियम से मध्यप्रदेश में जनजातिय वर्ग ओर अधिक अधिकार संपन्न व सशक्त होंगे-विक्रांत कुमरे

पेसा नियम से मध्यप्रदेश में जनजातिय वर्ग ओर अधिक अधिकार संपन्न व सशक्त होंगे-विक्रांत कुमरेपेसा नियम मध्यप्रदेश में जनजातीय वर्ग को जल, जंगल और जमीन के जायक हकों को दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा

पेसा ए ट के माध्यम से जनजाति वर्ग को अपनी योजनाएं स्वयं ही बनाने के लिए पूरी आजादी होगी-दरियाव सिंह सूर्यवंशी

पेसा ए ट के बेहतर क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

सिवनी यशोः- जिले में पेसा ऐ ट (मप्र. पंचायत उपबंध) अनुसूचित क्षेत्रों विस्तार अधिनियम 2022 के प्रचार प्रसार एवं उसके बेहतर क्रियान्वयन में सभी की भूमिका सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत सभाकक्ष में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में अधिनियिम के संबंध में सूक्ष्म जानकारी प्रदान करने हेतु भोपाल से आये माननीय महामहिम राज्यपाल वरिष्ठ सलाहकार श्री विक्रांत कुमरे, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद राज्य कार्यालय भोपाल के टास्क मैनेजर श्री दरियाव सिंह सूर्यवंशी, अतिरिक्त मु य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अश्विन कुमार सिंह, जिला समन्वयक मप्र. जन अभियान परिषद श्री सौरभ शु ला, पेसा जिला समन्वयक श्री चंदन सिंह परते के आतिथ्य में कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

पेसा नियम से मध्य प्रदेश में सामाजिक बदलाव की क्रांति की शुरूआत हुई

इस अवसर पर भोपाल से आये मु य अतिथि श्री विक्रांत कुमरे ने प्रतिभागियों के बीच अपनी बात रखते हुए पेसा अधिनियम की पृष्ठभूमि एवं इतिहास तथा पांचवी अनुसूचि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा जी की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर 2022 को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मूर्म जी द्वारा आदिवासी गौरव दिवस पर शहडोल में संपूर्ण मध्यप्रदेश के आदिवासी विकासखंडों में पेसा नियम लागू कर दिया गया, इससे प्रदेश में सामाजिक बदलाव की क्रांति की शुरूआत हुई। पेसा नियम मध्यप्रदेश में जनजातीय वर्ग के लोगों को उनके जल, जंगल और जमीन पर उनके जायक हकों को दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। इस नियम से यह वर्ग और अधिक अधिकार संपन्न और और सशक्त होगा।

गांव का पैसा गांव के ही विकास में ही खर्च होगा

वहीं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के टास्क मैनेजर श्री दरियाव सिंह सूर्यवंशी ने अपनी बात रखते हुए प्रतिभागियों से कहा कि इस ऐ ट के माध्यम से इस वर्ग को अपनी योजनाएं स्वयं ही बनाने के लिए पूरी आजादी होगी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के टास्क मैनेजर श्री दरियाव सिंह सूर्यवंशी ने आगे बताया कि गांव का पैसा गांव के ही विकास में ही खर्च होगा। प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन, विकास की स्थानीय योजनाओं पर नियंत्रण, सामाजिक, शैक्षणिक और अन्य संस्थाओं के बेहतर प्रबंधन की दिशा में यह नियम मील का पत्थर साबित होगा। इसके लिए हम सबको मिलकर प्रत्येक व्यक्ति को इस नियम की जानकारी प्रदान करना होगा, जिससे कि ग्रामसभा मजबूत हो सके।

नजरी न शा बनाकर ग्राम सभा का गठन करने की प्रक्रिया प्रतिभागियों को समझाई गई

इसके पूर्व जिला समन्वयक श्री सौरभ शु ला द्वारा पेसा ऐ ट की कार्यशाला के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि आने वाले कुछ ही दिनों में विकासखंडवार इस तरह के प्रशिक्षण से टर स्तर तक आयोजित किये जायेंगे जिससे ग्राउंण्ड लेवल तक इस नियम का प्रचार प्रसार हो सके और इस वर्ग के लोग नियम को बेहतर तरीके से जान समझ सके ताकि क्रियान्वयन में कोई कठिनाई न आये। पेसा के जिला समन्वयक श्री चंदन सिंह परते द्वारा पेसा कानून अंतर्गत ग्राम सभा का गठन, ग्रामसभा की बैठक का संचालन और अभिलेख संधारण की प्रक्रिया आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई। द्वितीय सत्र में विकासखंड कुरई विकासखंड के चिखली पंचायत के चिखलीटोला ग्राम का भ्रमण प्रतिभागियों को कराया गया जहां प्रत्यक्ष रूप से नजरी ने शा बनाकर ग्राम सभा का गठन करने की प्रक्रिया प्रतिभागियों को समझाई गई।

कार्यशाला में सहभागिता हेतु प्रमाण पत्र भी वितरीत किये गये

इस प्रशिक्षण कार्यशाला में जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक, पेसा विकासखंड समन्वयक, जनपद पंचायतों के पीसीओ, नवांकुर स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी, मु यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता उपस्थित रहे। अंत में प्रतिभागियों को कार्यशाला में सहभागिता हेतु प्रमाण पत्र भी वितरीत किये गये।

जबरन नॉलेज

टुकड़े-टुकड़े पाकिस्तान – 1 'पाकिस्तान' की कल्पना

'पाकिस्तान' यह आधी-अधूरी संज्ञा है. इस देश का पूरा नाम है – 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ पाकिस्तान' या 'पाकिस्तान इस्लामी गणतंत्र') दुनिया का पहला देश, जो इस्लामी राष्ट्र के रूप में बना. या यूं कहें कि दुनिया का पहला इस्लामी देश, जो 'इस्लाम' के कारण ही राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया.

प्रशांत पोळ

पाकिस्तान' यह आधी-अधूरी संज्ञा है. इस देश का पूरा नाम है – 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ पाकिस्तान'या 'पाकिस्तान इस्लामी गणतंत्र') दुनिया का पहला देश, जो इस्लामी राष्ट्र के रूप में बना. या यूं कहें कि दुनिया का पहला इस्लामी देश, जो 'इस्लाम' के कारण ही राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया.

इस 'पहले' इस्लामी राष्ट्र की कल्पना की थी, चौधरी रहमत अली ने. रहमत अली मूलतः पंजाब के होशियारपुर जिले से था. सन् 1933 में केंब्रिज विश्वविद्यालय में पढ़ते समय, उसने एक पर्चा निकाला था, जिसका शीर्षक था – 'अभी नहीं तो कभी नहीं' (Now or Never: Are we to live or perish for ever?). 1933 में लन्दन में अंग्रेजों ने भारत के विषय पर 'गोलमेज स मेलन' (Round Table Conference) बुलाया था. इस स मेलन में शामिल होने जा रहे प्रतिनिधियों के लिए यह पर्चा था. इसमें एक अलग 'इस्लामी' राज्य की कल्पना की गयी थी.

लेकिन गोलमेज स मेलन के प्रतिनिधियों ने इस पर्चे को सिरे से नकार दिया. अलग इस्लामी राज्य या राष्ट्र की कल्पना किसी के गले नहीं उतरी. अगले छह/सात वर्षों तक रहमत अली का यह सपना, भारतीय राजनीति के किसी कोने में, अंधकार में छिप गया था.लेकिन चालीस के दशक के शुरूआती दौर में, हिन्दुस्थान में 'मुस्लिम पहचान' आंदोलन का विषय बनता गया. हिन्दू ङ्क मुस्लिम दंगों की सं या बढ़ती गयीज और इसी दौर में मुस्लिम नेताओं को रहमत अली का वह सपना याद आया.

रहमत अली के सपने नाम 'पाकिस्तान' था. 'पाक' यानि अरबी भाषा में पवित्र और 'स्तान' का अरबी में अर्थ होता है ङ्क जगह. संस्कृत के 'स्थान' से स्तान शब्द आया है. अर्थात पाकिस्तान यानि 'पवित्र भूमि'. लेकिन इसमें एक और अर्थ छिपा था . इन नामों में बलोचिस्तान का तो उल्लेख है. लेकिन बंगाल का नहीं है.

रहमत अली के उस पत्रक (पर्चे) में एक वो य है, जिसे आज के सन्दर्भ में पढ़ने पर हंसी आती है – '(हमें यह यकीन हो चला है कि इस हिन्दू बहुल फेडरेशन में, जहां हम ठगे जा रहे हैं, वहां शांति और विकास संभव ही नहीं है, कारण यहां हमारी आत्मा और हमारे भविष्य के हम मालिक नहीं हैं.)

इस पर्चे में रहमत अली ने, डॉ टर सर मुह मद इकबाल के उस प्रस्ताव का विरोध किया था, जिसमें उन्होंने ('पाकिस्तान' यह नाम लिए बगैर) उत्तर-पश्चिम के चार प्रान्त मिलाकर एक मुस्लिम फेडरेशन की कल्पना की थी.इस पत्रक के बाद रहमत अली ने अपने नाम के आगे 'Founder – Pakistan National Movement' ऐसा लिखना प्रारंभ किया. 36 वर्ष का यह युवक, पाकिस्तान को जन्म देते समय केंब्रिज विश्वविद्यालय में बी.ए. की उपाधि प्राप्त कर रहा था. 1940 में उसने एम.ए. किया.

'पाकिस्तान' की कल्पना के एक वर्ष पश्चात, सन् 1934 में रहमत अली, मोह मद अली जिन्ना से पहली बार मिला. जिन्ना उस समय इंग्लैंड में चार वर्ष बिताने के बाद भारत में लौटने की तैयारी में थे. जिन्ना ने रहमत अली को सुनने के बाद कहा ङ्क÷माय डिअर बॉयज इतनी जल्दी मत करो. बहता हुआ पानी अपना रास्ता ढूंढ ही निकालता है..!÷

रहमत अली चुप बैठने वालों में से नहीं था. सन् 1935 में उसने अपनी पुस्तक प्रकाशित की – Pakistan : The Fatherland of Pak Nation. इस पुस्तक में उसने विस्तार से प्रस्तावित पाकिस्तान का वर्णन किया था. नक़्शे दिए थे. मजेदार बात यह, कि इस पुस्तक में भी दूर ङ्क दूर तक बंगाल का जिक्र नहीं था. 'इस्लाम' के आधार पर राष्ट्र खड़ा करने की वकालत उसने इस पुस्तक में की थी.

1940 के मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन में, जिन्ना ने पहली बार, मुस्लिम राष्ट्र के बारे में अपनी राय बेबाकी से रखी. जिन्ना ने 'ईस्टर्न ज़ोन' की बात कही. लेकिन इस भाषण में 'पाकिस्तान' शब्द गायब था.जिन्ना ने सार्वजनिक रूप से 'पाकिस्तान' का उल्लेख किया, सन् 1943 में. रहमत अली का सपना, ठीक दस वर्ष बाद लोगों के बीच चर्चा का विषय बन सका..!

पाकिस्तान के इस आंदोलन के दौरान पूरे समय, रहमत अली इंग्लैंड में ही रहा. 1947 में पाकिस्तान बना, जो रहमत अली की कल्पना से छोटा था. रहमत अली पूरा पंजाब चाहता था, कश्मीर चाहता था. हालांकि बंगाल उसकी प्रारंभिक योजना का हिस्सा नहीं था, जो पाकिस्तान को 'डायरे ट ऐ शन डे' की दहशतगर्दी के कारण मिल गया.

पाकिस्तान बनने के बाद रहमत अली, अप्रैल 1948 में पाकिस्तान आया. जिन्ना पाकिस्तान के गवर्नर जनरल बन गए थे. पाकिस्तान के लिए लड़ने वाले सत्ता के विभिन्न पदों पर आसीन थे. इन सब के बीच में रहमत अली की कोई भूमिका ही नहीं थी. उसके अस्तित्व को किसी ने देखा भी नहीं.लेकिन बाद में, रहमत अली के जो हाल पाकिस्तान ने किये, लगता है, यह पाकिस्तान की फितरत में ही थाज

सितंबर 1948 में जिन्ना की मौत हुई. वजीरे आजम लियाकत अली खान के पास अब पाकिस्तान की कमान थी. ठीक एक महीने बाद, अक्तूबर 1948 को, लियाकत अली ने, रहमत अली को, उसका बोरिया बिस्तर बांध कर पाकिस्तान से भगा दिया..! जी हां. शब्दशः भगा दियाज्अब रहमत अली बिलकुल रास्ते पर था. उसके पुरखों का घर, जो भारत के पंजाब में था, बिक चुका था. पाकिस्तान से उसको भगाया गया था. अंत में थक हार कर वो फिर से इंग्लैंड आ गया.

पाकिस्तान के सपनों का सौदागर, 'पाकिस्तान' इस शब्द का जन्मदाता रहमत अली, इंग्लैंड में भीख मांगकर अपना गुजारा कर रहा था. आखिरकार 1951 के प्रारंभ में, इंग्लैंड में, गरीबी और गुमनामी में उसकी मौत हुई. एक ह ते तक उसका शव सड़ता रहा. कोई देखने वाला नहीं था. आखिरकार, केंब्रिज के उसके कॉलेज ने उसके शव को सुपुर्दे ख़ाक किया.रहमत अली की कब्र आज भी केंब्रिज के कब्रस्तान में पाकिस्तानी फितरत की गवाही देते खड़ी हैंज!

पाकिस्तान के प्रारंभिक आंदोलन में बंगाल नहीं था. पंजाब और सिंध से उसका भौगोलिक अंतर यह एक बड़ा मुद्दा था. लेकिन मुस्लिम लीग का जबरदस्त प्रभाव बंगाल पर पड़ता गया. प्रारंभ से ही मुस्लिम लीग ने वहां पर आक्रामक भूमिका ली थी. झगड़ों में, दंगों में मुस्लिम लीग हमेशा हिंसक रहती थी. भद्र (स य) बंगाली समाज उसका हिंसक विरोध करने में पीछे हटता था.

1937 के प्रादेशिक चुनाव में कांग्रेस, बंगाल में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी. उसने संयुक्त सरकार भी बनाई थी. लेकिन 1939 में ब्रिटिश सरकार के विरोध में कांग्रेसी मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दिया और बंगाल को मुस्लिम लीग की झोली में डाल दियाज और तभी से पाकिस्तान की चर्चा में बंगाल का उल्लेख होने लगा. 1946 में मुस्लिम लीग के सुहरावर्दी, बंगाल के वज़ीरे आजम चुने गए. अपने पद पर आसीन होने के मात्र साढ़े तीन महीने के अंदर, सुहरावर्दी ने बंगाल में जबरदस्त, खूंखार 'डायरे ट ऐ शन डे' मनाया. एक दिन में दस हजार हिन्दुओं को मौत के घाट उतारा.

इस नृशंस घटना से दो बातें हुई. देश के बंटवारे का विरोध करने वाली कांग्रेस, मुस्लिम लीग की जिद के आगे झुक गई. और दूसरी बात ङ्क होने जा रहे पाकिस्तान का, बंगाल यह अभिन्न अंग रहेगा, यह सिद्ध हुआ.

भारत में दंगों का इतिहास तो पुराना है. अगस्त 1893 को मुंबई में पहला मुसलमान ङ्क हिन्दू दंगा हुआ. किन्तु इसके बाद का इतिहास देखेंगे तो मुस्लिम आक्रामकता के कारण हुए दंगों की सं या क्रमशः बढ़ती हुई दिखती है. विशेषतः चालीस का दशक, दंगों का दशक था. मुस्लिम लीग की इस आक्रामक शैली का सामना करने के लिए न तो काँग्रेस के पास नेतृत्व था, और न ही नीति. पाकिस्तान के निर्माण में यह घटक सबसे महत्वपूर्ण रहा. गांधी जी ने पश्चिमी पंजाब के सरकारी सहायता शिविर में (जो बाद में पाकिस्तान का हिस्सा बनने वाला था) हिन्दू – सि खों से, सार्वजनिक रूप कहा था, 'मुस्लिम लीग को पाकिस्तान चाहिए था, इसलिए वे हिंसक हुए थे. अब तो उनको पाकिस्तान मिल गया है. वे अबे यों दंगा करेंगे? आप को मारेंगे? इसलिए आप को भारत में आने की आवश्यकता नहीं है. आप तो यहीं रहिए'. दुर्भाग्य से सबसे भयानक दंगे, विभाजन के बाद, सितंबर, अक्तूबर और नवंबर में हुए, जिसमें लाखों हिन्दू ङ्क सि ख मारे गए, विस्थापित हुए.

संक्षेप में, पाकिस्तान की निर्मिती में दंगों की बड़ी भूमिका थी.

प्रस्तावित पाकिस्तान में अब शामिल होने जा रहे राज्य थे ङ्क सिंध पूरा, पंजाब (विभाजित), बंगाल (विभाजित). नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर प्रोविंस की स्पष्टता नहीं थी, कारण वहां पर कांग्रेस का शासन था. किन्तु बाद में नेहरू की जिद के कारण, यह प्रदेश पाकिस्तान को मिला. कश्मीर तो अलग और स्वतंत्र रियासत थी और बलूचिस्तान ने अपना निर्णय, पाकिस्तान बनने के मात्र तीन दिन पहले लिया ङ्क स्वतंत्र रहने का. अर्थात् रहमत अली ने जिस पाकिस्तान की कल्पना की थी, उसमें से बलोचिस्तान और काश्मीर, पाकिस्तान के जन्म के समय पाकिस्तान का हिस्सा नहीं थे. जो बंगाल कल्पना में नहीं था, वह विभाजित ही सही, पाकिस्तान का अंग बन चुका था.अर्थात, 14 अगस्त 1947 को, जिस पाकिस्तान ने जन्म लिया, वह एक देश कम, भानुमति का कुनबा ज्यादा था..! शायद इसीलिए, जल्दी ही विभाजन के रास्ते पर पाकिस्तान का प्रवास शुरु होने वाला था..!

युवा मतदाताओं को जोड़ने राजनीतिक दल करें सहयोग - मु य निर्वाचन पदाधिकारी

मु य निर्वाचन पदाधिकारी ने द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 अंतर्गत मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

भोपाल। मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने निर्वाचन सदन भोपाल में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 अंतर्गत दो अगस्त को मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन की जानकारी दी। बैठक में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को बढ़े हुए मतदान केंद्र, कुल मतदाताओं की सं या और अगस्त माह में लगने वाले विशेष शिविर के बारे में जानकारी दी गई। युवा मतदाता अधिक से अधिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाएं इसके लिए राजनीति दलों से सहयोग करने की मु य निर्वाचन पदाधिकारी ने अपील की। बैठक में राजनीतिक दलों द्वारा सुझाव दिए गए।

बैठक में अपर मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कौल, संयुक्त मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, श्री बसंत कुर्रे, उपमु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रमोद शु ला, भारतीय जनता पार्टी से श्री एसएस उप्पल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से श्री जेपी धनोपिया, श्री महेंद्र जोशी, आम आदमी पार्टी से श्री सुमित चौहान, बहुजन समाज पार्टी से श्री सीएल गौतम, क युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया से श्री रामचंद्र उपस्थित थे।

423 मतदान केंद्र बढ़े

प्रदेश में मतदान केंद्रों की सं या में बढ़ोत्तरी हुई है। यह बढ़कर 64 हजार 523 हो गई है। 423 मतदान केंद्र बढ़ गए हैं। इससे पहले प्रदेश में मतदान केंद्रों की सं या 64 हजार 100 थी।

1 अ टूबर 2023 को 18 वर्ष पूर्ण कर रहे नागरिक मतदाता सूची में जुड़वाएं नाम

मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने ऐसे सभी मतदाताओं से आग्रह किया है जो 1 अ टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं तथा जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ा हैं वे अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। श्री राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के वर्तमान निर्देशों के पालन में अर्हता तिथि 1-10-2023 के संदर्भ में दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएगी। इस पुनरीक्षण अवधि के दौरान अगले वर्ष की भविष्य की अर्हता तिथियों के लिए कोई अग्रिम आवेदन प्राप्त नहीं किए जाएंगे।

सभी राजनीतिक दल बीएलए की नियुक्त करें

मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने मान्यता प्राप्त सभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि सभी राजनीतिक दल प्रत्येक मतदान केंद्र में बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करें तथा सक्रियता से सहयोग करने हेतु प्रोत्साहित करें।

5 करोड़ 44 लाख 52 हजार 522 हुई मतदाताओं की सं या

प्रदेश में मतदाताओं की सं या में बढ़ोत्तरी हुई है। अब मतदाताओं की सं या 5 करोड़ 44 लाख 52 हजार 522 हो गई है। इसमें सामान्य मतदाताओं की सं या 5 करोड़ 43 लाख 77 हजार 095 है, (जिसमें पुरूष मतदाताओं की सं या 2 करोड़ 81 लाख 26 हजार 191 है। महिला मतदाताओं की सं या 2 करोड़ 62 लाख 49 हजार 578 है, जबकि थर्ड जेंडर 1326)। सेवा मतदाता 75 हजार 427 है, (जिसमें पुरूष मतदाताओं की सं या 73142 और महिला मतदाता 2285) है। इस प्रकार प्रदेश में कुल मतदाताओं की सं या 5 करोड़ 44 लाख 52 हजार 522 है।

शनिवार एवं रविवार को लगेंगे विशेष शिविर

द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अंतर्गत शनिवार एवं रविवार को विशेष शिविर लगाए जाएंगे। यह शिविर 12, 13 और 19 एवं 20 अगस्त को लगाएं जाएंगे। इस दौरान समस्त बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करेंगे और फॉर्म 6, 7 और 8 का आवेदन प्राप्त करेंगे।

31 अगस्त तक लिए जाएंगे आवेदन

2 अगस्त से 31 अगस्त तक मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, वोटर लिस्ट में संशोधन और दोहरी प्रवृष्टि वाले मतदाताओं के नाम हटाने के लिए आवेदन लिए जाएंगे। इसके साथ ही जो नागरिक 1 अ टूबर 2023 की तारीख पर 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन लिए जाएंगे। 31 अगस्त तक प्राप्त हुए आवेदनों का निराकरण 22 सितंबर तक किया जाएगा। 4 अ टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

स्कूली बच्चों द्वारा सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान की मनमोहक प्रस्तुति

प्रदेश में पहली बार हुई सांकेतिक भाषा में भाषण, कविता गायन प्रतियोगिताएँ

भोपाल। आयुक्त निशक्तजन कल्याण श्री संदीप रजक के मु य आतिथ्य में भोपाल के बिलाबांग हाई इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों द्वारा सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान प्रस्तुति के साथ भाषण एवं कविता गायन प्रतियोगिताएँ हुई। मध्यप्रदेश में पहली बार होने वाले इस तरह के पहले आयोजन के लिये निशक्तजन कल्याण आयुक्त ने स्कूल और बच्चों की सराहना की। स्कूल द्वारा सौंपे गये काम के रूप में बच्चों ने ग्रीष्मकालीन अवकाश में साइन लेंग्विज न केवल सीखी बल्कि उसमें योग्यता भी हासिल की।

रजक ने कहा कि मध्यप्रदेश में पहली बार साइन लेंग्विज में भाषण और कविता गायन की प्रतियोगिता हुई है, जो अन्य लोगों और स्कूलों के लिये आदर्श बनेगी। सांकेतिक भाषा का प्रसारण होने से श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को समाज की मु य धारा में शामिल होने में मदद मिलेगी। प्रतिभागियों द्वारा स्वर रहित अभिव्यक्ति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मध्यप्रदेश में पहली बार हो रहे स्वर रहित राष्ट्रगान ने भी विद्यार्थियों में जोश और उत्साह का संचार किया। श्री रजक ने सांकेतिक भाषा को पाठ्यक्रम में शामिल करने का शासन से अनुरोध करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन अन्य स्कूलों में भी किये जा सकते हैं।

प्रतीकात्मक शैली में हुए कार्यक्रम में हुई प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में डेफ केन फाउंडेशन की सचिव श्रीमती प्रीति शाह सोनी, भाषा अनुवादक श्री प्रदीप लूथरा और सहायक संचालक आयुक्त निशक्तजन श्री सुनील शर्मा थे। विद्यालय के प्राचार्य श्री आशीष अग्रवाल ने बच्चों की सशक्त भाव-भंगिमा और अभिव्यक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की एवं कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्रीमती तनुजा दधीचि, श्रीमती मेघा भट्ट और श्री श्वेता जैन द्वारा किया गया।

नूंह का प्रायोजित दंगा - देशभर में बढ़ती मजहबी हिंसक घटनाओं की डिकोडिंग

इस मजहबी हमले में यात्रियों की जान बचाने में दो होमगार्ड जवान मौके पर ही वीरगति को प्राप्त हुए जबकि कुल 24 घायलों में इलाज के दौरान 03 अन्य की मृत्यु होने की सूचना है जबकि 4 की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है।

डॉ. उत्तम मोहन सिंह मीणा

कल हिंदू श्रद्धालुओं द्वारा शांतिपूर्वक निकल रही ब्रज मंडल 84 कोस शोभायात्रा पर हरियाणा के मेवात (नूह) में मजहबी उन्मादी भीड़ ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद सामने आए अलग-अलग वीडियो और सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट होता है की हिंदू श्रद्धालुओं पर हुआ यह जानलेवा हमला कोई तात्कालिक घटना नही बल्कि पूरी तरह से प्रायोजित थी। अचानक हुए इस हमले में पत्थर, लाठी, धारदार हथियारों का जमकर प्रयोग हुआ जबकि प्रत्यक्षदर्शियों ने हमले के दौरान लगातार गोलियां चलने की आवाज भी सुनने की बात कही।

इस मजहबी हमले में यात्रियों की जान बचाने में दो होमगार्ड जवान मौके पर ही वीरगति को प्राप्त हुए जबकि कुल 24 घायलों में इलाज के दौरान 03 अन्य की मृत्यु होने की सूचना है जबकि 4 की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। मजहबी भीड़ ने इंसानों के साथ वाहनों को भी अपना निशाना बनाया। आग लगा कर फूंक दिए गए 80 वाहनों में 8 वाहन पुलिस के थे, जबकि कुल 135 से 150 वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया। आसपास के जिलों के पुलिसबल के घटनास्थल पर पहुंचने तक मजहबी उन्मादी भीड़ लगभग 6 घंटो तक उत्पात मचाती रही।

देश मे इस प्रकार के दंगे और हिंदुओ की धार्मिक यात्राओं पर हमले होना कोई नई बात नही है किंतु पिछले 10 सालों के मध्य हुए मामलों को गौर से देखें तो इसमें एक पैटर्न नजर आता है। दंगा फसाद करने वाली भीड़ एक निश्चित तरीके से हमला करती है, हमले की पूर्व योजना तैयार की जाती है, घरों की छतों पर पहले से पत्थर जमा किए जाते है, हथियार जुटाए जाते है, स्थानीय संसाधनों को हथियारों के रूप में रूपांतरित कर लिया जाता है। इस तरह के हमले में महिलाओं और बच्चों का भी जमकर उपयोग किया जा रहा है। हमला करने वाले सबसे पहले अपनी पहचान छुपाने के लिए अपने चेहरे को कपड़ो से ढक लेते है और सबूत न रहे इसलिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ देते है।

दंगाइयों का एक जत्था हमला करता है और पीछे हट जाता है, तब तक दूसरा जत्था पत्थर और हथियारों के साथ फ्रंट मोर्चा स हलता है। घरों की छतों से औरते, बच्चे और वृद्ध पत्थरों की बारिश करते है। दिल्ली दंगों में तो छतों पर बड़ी-बड़ी गुलेल बनाई गई थीं, जिस प्रकार से बड़े-बड़े पत्थर तेज गति से आ रहे थे संभव है वैसी ही गुलेल नूह में प्रयोग में लाई गई होंगी। कश्मीर, पश्चिम बंगाल और दिल्ली दंगों में भी इसी प्रकार की रणनीति का प्रयोग दंगाइयों द्वारा किया गया था। यह इसलिए भी चिंतनीय है योंकि कश्मीर में हिंदुओ और सेना के विरुद्ध दंगा करने की इस तरह की ट्रेनिंग विदेशी एजेंसियों द्वारा दी गई थी, नूह पूरे एशिया में सबसे संवेदनशील क्षेत्र बन चुका है इसलिए संभव है की विदेशी एजेंसियों द्वारा इस प्रकार का प्रशिक्षण यहां भी दिया गया हो। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है की देशभर में इस प्रकार के अनेक नूह तैयार हो रहे है और नियमित रूप से उनका प्रशिक्षण भी हो रहा है, जबकि हमारे समाज में शत्रु बोध का अभाव ही बना हुआ है। इस तरह के हमलों से बचाव की रणनीति तो दूर सामान्य जनमानस में इन विषयो को लेकर जागरूकता का भी सर्वथा अभाव है।

अग्निवीर भर्ती रैली 20 से 26 अगस्त तक भोपाल में

भोपाल। सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल द्वारा 20 से 26 अगस्त 2023 तक लाल परेड मैदान, भोपाल में मध्यप्रदेश के 9 जिलों भोपाल, बैतूल, छिंदवाडा, हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, राजगढ़, सीहोर और विदिशा के पुरुष उ मीदवारों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर` लर्क, अग्निवीर स्टोर कीपर एवं अग्निवीर ट्रेड्समेंन भर्ती रैली की जा रही है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के सिपाही फार्मा और सिपाही तकनीकी, नर्सिंग सहायक एवं सिपाही तकनीकी, नर्सिंग सहायक पशु चिकित्सा की भी सेना भर्ती रैली का साथ में की जा रही है। लाल परेड मैदान में हो रही अग्निवीर भर्ती रैली में 20 से 25 अगस्त तकअग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर लर्क, अग्निवीर स्टोर कीपर, अग्निवीर ट्रेड्समैन तथा 26 अगस्त को सिपाही फार्मा और सिपाही तकनीकी नर्सिंग सहायक एवं सिपाही तकनीकी नर्सिंग, सहायक पशु चिकित्सा की भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। सेना द्वारा अप्रैल 2023 में ली गई ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा सीईई में उत्तीर्ण उ मीदवार शारीरिक दक्षता सहित और अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में भाग ले सकेंगे। योग्य अ यर्थियों को प्रवेश पत्र उनकी ई-मेल पर भेजा जा चुका है। रैली भर्ती में शामिल होने वाले अ यर्थियों को प्रवेश पत्र पर अंकित तिथि के एक दिन पहले विश्राम स्थली में रात्रि 11 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा, इन अ यर्थियों की दौड़ रात्रि 1 बजे प्रारंभ होगी। भर्ती में हिस्सा लेने के लिए प्रतिभागियों को रैली अधिसूचना के अनुसार एडमिट कार्ड एवं सभी दस्तावेज और आधार कार्ड से लिंक मोबाईल न बर भी लेकर आना अनिवार्य है।

द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की राजनैतिक दलों को दी गई जानकारी

स्टेडिंग कमेटी की बैठक संपन्न

मंडला यशोः- गोलमेज सभाकक्ष में फोटोयुक्त मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के तहत जिला स्तरीय स्टेडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा राजनैतिक दलों के पुनरीक्षण की गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयान्स कूमट, अपर कले टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

युक्तियुक्तकरण के पश्चात 945 मतदान केन्द्र

कले टर ने बताया कियुक्तियुक्तकरण के पश्चात जिले में मतदान केन्द्रों की कुल सं या 945 है। विधानसभा बिछिया में 304, निवास में 321 तथा मंडला में 320 मतदान केन्द्र नियत किए गए हैं। बिछिया विधानसभा के लूरी मतदान केन्द्र को विलोपित किया गया है तथा जोगीसोढ़ा, मैनपुरी, अंजनी रैयत एवं बदवार में नवीन मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इसी प्रकार मंडला विधानसभा में खुर्सीपार और केवलारी में नवीन मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

पुनरीक्षण गतिविधियों का समयबद्ध कार्यक्रम

स्टेडिंग कमेटी की बैठक में कले टर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है जिसके अनुसार मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 2 अगस्त को किया गया। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को मतदाता सूची एवं सीडी का निःशुल्क वितरण किया गया। संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत 2 से 31 अगस्त 2023 तक दावे-आपत्तियां दर्ज की जाएगी। विशेष अभियान 12, 13, 19 एवं 20 अगस्त 2023 को संचालित किया जाएगा। दावे-आपत्तियों का निराकरण 22 सित बर 2023 तक किया जाएगा। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 4 अ टूबर 2023 को किया जाएगा।

12 से 13 अगस्त 2023 एवं 19 से 20 अगस्त 2023 को विशेष कै प आयोजित होंगे जिसमें बीएलओ अपने मतदान केन्द्र पर उपस्थित रहकर दावे-आपत्तियां प्राप्त करेंगे। ऐसे व्यक्ति जो 1 अ टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज करा सकते हैं। जिन मतदाताओं को अपने वोटर कार्ड में किसी प्रकार का सुधार कराना है, वे भी फॉर्म-8 भरकर उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत सुधार की कार्यवाही करा सकते हैं। फॉर्म-7 नाम काटने से संबंधित निर्धारित प्रारूप है।

वर्तमान में जिले में 776992 मतदाता

कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन की दिनांक 2 अगस्त की स्थिति के अनुसार जिले में कुल 776992 मतदाता हैं जिनमें 385226 पुरूष, 391756 महिला एवं 10 अन्य मतदाता स मिलित हैं। जिले का जेंडर रेशो 1016.95 तथा ईपी रेशो 62.47 है। विधानसभा बिछिया में कुल 253160 मतदाता हैं जिनमें 125461 पुरूष, 127697 महिला एवं 2 अन्य मतदाता स मिलित हैं। बिछिया का जेंडर रेशो 1017.82 तथा ईपी रेशो 61.31 है। विधानसभा निवास में कुल 260976 मतदाता हैं जिनमें 128969 पुरूष, 132001 महिला एवं 6 अन्य मतदाता स मिलित हैं। निवास का जेंडर रेशो 1023.50 तथा ईपी रेशो 62.82 है। विधानसभा मंडला में कुल 262856 मतदाता हैं जिनमें 130796 पुरूष, 132058 महिला एवं 2 अन्य मतदाता स मिलित हैं। मंडला का जेंडर रेशो 1009.64 तथा ईपी रेशो 63.28 है।

तीनों विधानसभा में 9954 दिव्यांग मतदाता

जिला स्तरीय स्टेडिंग कमेटी की बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि जिले की तीनों विधानसभाओं में कुल 9954 दिव्यांग मतदाता हैं जिनमें 5364 पुरूष तथा 4591 महिला है। बिछिया विधानसभा के अंतर्गत कुल 3186 दिव्यांग मतदाताओं में से 1749 दिव्यांग पुरूष मतदाता एवं 1437 दिव्यांग महिला मतदाता हैं। निवास विधानसभा के अंतर्गत कुल 3429 दिव्यांग मतदाताओं में से 1836 दिव्यांग पुरूष मतदाता एवं 1593 दिव्यांग महिला मतदाता हैं। मंडला विधानसभा के अंतर्गत कुल 3339 दिव्यांग मतदाताओं में से 1778 दिव्यांग पुरूष मतदाता एवं 1561 दिव्यांग महिला मतदाता हैं।

80 वर्ष से अधिक आयु के 6868 मतदाता

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि जिले की तीनों विधानसभाओं में 80 वर्ष से अधिक आयु के कुल 6868 बुजुर्ग मतदाता हैं जिनमें 2481 पुरूष तथा 4387 महिला है। बिछिया विधानसभा के अंतर्गत कुल 2332 बुजुर्ग मतदाताओं में से 791 पुरूष मतदाता एवं 1541 महिला मतदाता हैं। निवास विधानसभा के अंतर्गत कुल 2356 बुजुर्ग मतदाताओं में से 862 पुरूष मतदाता एवं 1494 महिला मतदाता हैं। मंडला विधानसभा के अंतर्गत कुल 2180 बुजुर्ग मतदाताओं में से 828 पुरूष मतदाता एवं 1352 महिला मतदाता हैं।

26671 मतदाता 18-19 आयु वर्ग के

जिले की तीनों विधानसभाओं में 18-19 आयु वर्ग के कुल 26671 मतदाता हैं जिनमें 13576 पुरूष तथा 13095 महिला है। बिछिया विधानसभा के अंतर्गत 18-19 आयु वर्ग के कुल 8521 मतदाताओं में से 4466 पुरूष मतदाता एवं 4055 महिला मतदाता हैं। निवास विधानसभा के अंतर्गत 18-19 आयु वर्ग के कुल 9059 मतदाताओं में से 4547 पुरूष मतदाता एवं 4512 महिला मतदाता हैं। मंडला विधानसभा के अंतर्गत 18-19 आयु वर्ग के कुल 9091 मतदाताओं में से 4563 पुरूष मतदाता एवं 4528 महिला मतदाता हैं।

कले टर ने किया घंसौर क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों का औचक निरीक्षण

सिवनी यशोः- कले टर क्षितिज सिंघल ने बुधवार 3 अगस्त को घंसौर विकासखण्ड अंतर्गत विभिन्न मतदान केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए प्रस्तावित किए गए मतदान केन्द्रों के पहुंच मार्ग, बिजली, पानी, शौचालय, रैंप सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यकतानुरूप सुधार कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कले टर श्री सिंघल ने आज से मतदान केन्द्रों में किए जा रहे मतदाता सूची के वाचन कार्यवाही का भी अवलोकन कर से टर अधिकारियों एवं बीएलओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रारूप मतदाता सूची के वाचन कार्यवाही को पूरी गंभीरता से पूर्ण किया जाए। वाचन उपरांत स्थानीय रहवासियों से प्राप्त दावा-आपत्तियों का सत्यापन कर मतदाता सूची में सुधार की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

कले टर ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

सिवनी यशोः- कले टर क्षितिज सिंघल ने बुधवार 3 अगस्त को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिला चिकित्सालय के एनआरसी, मेल वार्ड, ऑपरेशन थियेटर, पैथोलॉजी के साथ ही अन्य वार्डो का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपचाररत मरीजों से चर्चा कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। कले टर श्री सिंघल ने मेडिकल बोर्ड की कार्यप्रणाली का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि मरीजों से अच्छा व्यवहार करें तथा उनकी समस्या को समझ कर त्वरित रोगोपचार की कार्यवाही सुनिश्चित करें। कले टर श्री सिंघल ने सिविल सर्जन श्री नावकर को चिकित्सालय में ड्यूटी डॉ टरों के लिए चैंबर की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। इसी तरह उन्होंने कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण विभाग को चिकित्सालय के विभिन्न वार्डो में आए सीपेज की आवश्यक मर मत करवाने के निर्देश दिए।

अज्ञात महिला का मिला शव

सिवनी यशोः- सिवनी जिले के लखन वाडा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालगंज में एक अज्ञात महिला का शव मिला है। इसके बाद महिला के शव का पंचनामा बनाकर शव पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय सिवनी लाया गया। लखनवाड़ा थाना क्षेत्र के गोपालगंज पुलिस सहायता केंद्र के एएसआई बीएल डेहरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि विवेक पिता संतोष दुबे ने शिकायत दर्ज कराई कि हमारे घर के टीन शेड के नीचे कोई अज्ञात महिला पड़ी हुई है।

घटना स्थल पर जाकर देखा गया, तो एक महिला मृत अवस्था में मिली। पूछताछ पर पता चला कि महिला 2, 3 माह से बनी मजदूरी करती थी। उम्र लगभग 40 वर्ष साड़ी पहने हुए हैं। इसके बाय हाथ में कुछ दिन पहले लगी थी। चोट लगने से हाथ गलने लगा था। मृत महिला को जिला चिकित्सालय मैं शिना त के लिए रखा गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

केन्द्रीय मंत्री कुलस्ते का दौरा कार्यक्रम

सिवनी यशोः- केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते प्राप्त अधिकृत कार्यक्रमानुसार शुक्रवार 4 अगस्त को मण्डला से प्रस्थान कर प्रातः 11.15 बजे लखनादौन पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं शाम 6.00 बजे मण्डला के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को निःशुल्क स्कूटी वितरण के लिए वाहन विक्रेताओं की बैठक आयोजित

सिवनी यशोः- प्रदेश शासन की मु यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत पात्र प्रतिभावान छात्राओं को लाभांवित करने के उद्देश्य से बुधवार 02 अगस्त को कले ट्रेट सभाकक्ष में जिले के स्कूटी वाहन विक्रेताओं की बैठक अपर कले टर श्री सीएल चनाप की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में श्री चनाप द्वारा वाहन विक्रेताओं को योजना के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया गया कि योजनांतर्गत कक्षा 12वी के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को शासन द्वारा स्कूटी वाहन प्रदान किए जाने हेतु मु यमंत्री स्कूटी योजना प्रारंभ की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में प्रारंभिक रूप से 202 छात्र-छात्राएं चिन्हांकित हैं, जिन्हें योजनांतर्गत निःशुल्क स्कूटी वाहन प्रदान किया जाना है। उन्होंने निर्देशित किया कि चिन्हांकित छात्र-छात्रओं को उनकी इच्छानुरूप कोटेशन प्रदान कर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को प्रस्तुत किया जाए, ताकि वाहनों की भुगतान कार्यवाही की जा सके। उन्होंने सभी वाहन विक्रेताओं को निर्देशित किया कि योजनांतर्गत चिन्हांकित वाहन शासन द्वारा निर्धारित उच्च गुणवत्ता के हो तथा तय समय सीमा में उपलब्ध कराएं जाए।

मेडिकल कॉलेज का श्रेय ना ले सिवनी विधायक- कांग्रेस

सिवनी यशोः- जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष सेवकराम चन्द्रवंशी ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि कमलनाथ जी के 15 माह के कार्यकाल का रोना रोने वाले विरोधी सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन अपने 10 वर्षो के नाकाम कार्यकाल की चर्चा यों नहीं करते ?, कमलनाथ जी वचन के पक्के नेता है इस बात की तारीफ उनके विरोधी भी करते है। सिवनी मेडिकल कालेज की घोषणा दिनेश राय मुनमुन की नही थी, यह घोषणा मध्यप्रदेश के मु यमंत्री शिवराजसिंह चैहान की थी जो कि 18 वर्षो के कार्यकाल में भी पूर्ण नही कर पायें। अभी तक सिवनी मेडिकल कॉलेज निर्माणधीन है और आने वाले 2-3 वर्षो तक मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो ऐसी कोई संभावना नही है। मु यमंत्री शिवराजसिंह चैहान ने सिवनी को संभाग का मु यालय बनाने की घोषणा की तो सिवनी अभी तक संभाग यों नहीं बना ?, यह बात सिवनी विधायक को बताना चाहिये। सेवकराम चन्द्रवंशी ने आगे बताया कि दिल्ली-नागपुर औद्योगिक कॉरिडोर जो कि औद्योगिक दृष्टि और रोजगार के लिए सिवनी की जीवन रेखा बन सकता था, सिवनी के हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकते थे। नेशनल हाईवे 44 ग्वालियर, सागर, नरसिंहपुर से सिवनी होते हुये नागपुर होना चाहिए था, किन्तु मु यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा सिर्फ अपनी विधानसभा क्षेत्र को लाभ पंहुचाने के लिए ग्वालियर से भोपाल, होशंगाबाद, बैतुल होते हुए नागपुर कर दिया गया, यह सिवनी वासियों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात हुआ है, सिवनी विधायक ने इस कॉरिडोर को सिवनी से लाये जाने के लिए या प्रयास किये ?, 10 वर्षो के कार्यकाल में अनेक चुनावी घोषणा करने वाले सिवनी विधायक सिवनी की जनता को यह बताना चाहिये कि उनमें से कितनी घोषणाओं पर काम कर पाये ?, जो विधायक क्रिकेट किट, हाकी किट, ढोल मंजिरे, मंदिर-मझारों के चबूतरे के लिए विधायक निधि से देकर उसे विकास समझता हो ऐसे विधायक से सिवनी की जनता या अपेक्षा करेंगी। सेवकराम चन्द्रवंशी ने कहा कि यदि 15 महिने में कमलनाथ जी ने सिवनी का अहित किया है तो 10 वर्षो के कार्यकाल में सिवनी विधायक एवं 18 वर्षो के कार्यकाल में मु यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने सिवनी के लिए कौन सा हित कर दिया है यह सिवनी की जनता को बताने का कष्ट करें विधायक ?, हर वर्ष फिल्मी कलाकारों का मजमा लगाने वाले सिवनी विधायक सिवनी के लिए ऐसा कोई काम नही कर पाये कि वह फिर से मजमा लगाये, यों कि अब सिवनी की जनता जवाब मांग रही है। बार-बार कमलनाथ जी के 15 महीने के कार्यकाल को गिनाकर 18 वर्षो की नाकामियों को नहीं छिपाया जा सकता।

नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए चलेगा विशेष अभियान

द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 अंतर्गत 2 अगस्त से 31 अगस्त तक, मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहेंगे बीएलओ

सिवनी यशोः- मु य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर प्रदेश में द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 की गतिविधियां 2 अगस्त से शुरू हो रही है। द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की गतिविधियों के अंतर्गत 2 अगस्त को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ बैठक होगी उन्हें मतदाता सूची के प्रारूप की प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही 2 अगस्त को मतदान केंद्र और जिला स्तर पर मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा। प्रदेश के समस्त बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थिति रहेंगे। आगामी 3 अगस्त से 10 अगस्त तक से टर अधिकारी बीएलओ और मतदाताओं की उपस्थिति में मतदाता सूची का वाचन करेंगे। एक घर में छह से अधिक मतदाता होने पर से टर अधिकारी द्वारा उनका भौतिक सत्यापन किया जाएगा। दो अगस्त से 31 अगस्त के बीच प्रत्येक कार्यदिवस पर बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं के नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए आवेदन लेंगे। इस संबंध में सभी कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

शनिवार एवं रविवार को लगेंगे विशेष शिविर

द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अंतर्गत शनिवार एवं रविवार को विशेष शिविर लगाए जाएंगे। यह शिविर 12, 13 और 19 एवं 20 अगस्त को लगाएं जाएंगे। इस दौरान समस्त बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करेंगे और मतदाता सूची का वाचन कर फॉर्म 6, 7 और 8 का आवेदन प्राप्त करेंगे।

31 अगस्त तक लिए जाएंगे आवेदन

मु य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि 2 अगस्त से 31 अगस्त तक मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, वोटर लिस्ट में संशोधन, दोहरी प्रवृष्टि वाले मतदाताओं के नाम हटाने के लिए आवेदन लिए जाएंगे। इसके साथ ही जो नागरिक 1 अ टूबर 2023 की तारीख पर 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन लिए जाएंगे। आगामी 31 अगस्त तक प्राप्त हुए आवेदनों का निराकरण 22 सितंबर 2023 तक किया जाएगा। चार अ टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

राज्य स्तरीय खेल पुरस्कारों की घोषणा

वर्ष 2022 के लिए 11 खिलाड़ियों को एकलव्य, 10 को विक्रम पुरस्कार

अनिल धूपर को लाइफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड

भोपाल। खेल और युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने वर्ष 2022 के राज्य स्तरीय खेल पुरस्कारों की घोषणा की है। श्रीमती सिंधिया ने बताया कि वर्ष 2022 के लिए 11 खिलाडियों को एकलव्य पुरस्कार, 10 को विक्रम, एक प्रशिक्षक को विश्वामित्र तथा एक खेल हस्ती को लाइफ टाईम एचीवमेंट पुरस्कार से स मानित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2011 तक एकलव्य पुरस्कार विजेता को 25 हजार रूपये और विक्रम, विश्वामित्र और लाईफ टाईम अवार्ड के विजेताओं को 50 हजार रूपये की राशि दी जाती थी। वर्ष 2021 से सभी पुरस्कार राशि को बढ़ाया गया। अब एकलव्य पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों को एक लाख रूपये और शेष को दो लाख रूपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। वर्ष 2013 से पारंपरिक खेल मलखंब में उत्कृष्टता के लिए स्व. प्रभाष जोशी पुरस्कार प्रारंभ किया गया। जिसमें विजेताओं को दो लाख रूपये की राशि से स मानित किया जाता है।

एकलव्य पुरस्कार- वर्ष 2022 के एकलव्य पुरस्कार के लिए भोपाल के आस्था दांगी (याकिंग-केनोइंग), अमन सिंह बिष्ट (बॉ संग), प्रज्ञा सिंह (फेंसिंग), आशी चौकसे (शूटिंग) और सौ या तिवारी (क्रिकेट), राजगढ़ की रितिका दांगी (सेलिंग), देवास के अभिषेक परिहार (सॉ ट-टेनिस), इंदौर की पलक शर्मा (तैराकी), ग्वालियर की खुशबू (हॉकी), उज्जैन के दीपेश लश्करी (जि नास्टिक) और इन्द्रजीत नागर को (मलखंब) खेल में एकलव्य पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

विक्रम पुरस्कार- वर्ष 2022 के विक्रम पुरस्कारों के लिए भोपाल के राजू सिंह (घुड़सवारी), देवास के आदित्य दुबे (सॉ ट-टेनिस), सीहोर की नीतू वर्मा (याकिंग-केनोइंग), अशोकनगर के भूरक्षा दुबे (वूशु), रायसेन की प्रगति दुबे (शूटिंग), इंदौर के सुबोध चौरसिया (सॉ टबाल) एवं आवेश खान को (क्रिकेट), ग्वालियर के नीरज राणा (हॉकी) तथा धनंजय दुबे (टेनिस) (दिव्यांग वर्ग में) तथा उज्जैन के राजवीर सिंह पंवार के नामों की घोषणा हुई है।

विश्वामित्र पुरस्कार- किसी भी खिलाड़ी के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सही प्रशिक्षण महत्पूर्ण होता है। इसमे प्रशिक्षक की अहम भूमिका होती है। वर्ष 2022 में विश्वामित्र पुरस्कार के लिए भोपाल की बैडमिंटन प्रशिक्षक श्रीमती रश्मि मालवीय का चयन किया गया है।

लाईफ टाईम एचीमेंट आवर्ड- वर्ष 2022 में राज्य स्तरीय लाईफ टाईम एचीमेंट पुरस्कार की श्रेणी में इंदौर के श्री अनिल धूपर (टेनिस) का चयन किया गया है।

भाजपा के कार्यकर्ता ही कर सकते हैं राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाने का कार्यः नरेंद्रसिंह तोमर

कार्यकर्ता बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कहा- भाजपा सरकारों ने नहीं छोड़ी विकास में कोई कसर

उज्जैन। राष्ट्र और प्रदेश को परम वैभव की ओर ले जाने का काम आप भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ही कर सकते हैं। जब-जब भी आप दृढ़ निश्चय के साथ मैदान में उतरे हैं और मन लगाकर काम किया है, तब-तब पार्टी ने बहुमत से जीत हासिल की है। आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। इन चुनावों में जीत के लिए आपको अभी से जुटना होगा। तभी राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाने की हमारी संकल्पना पूरी होगी। यह बात केंद्रीय मंत्री एवं चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक श्री नरेंद्रसिंह तोमर ने बुधवार को उज्जैन संभागीय कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक के पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने महाकाल मंदिर पहुंचकर महाकालेश्वर भगवान के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

जनहित के कामों में भाजपा सरकारों ने नहीं छोड़ी कसर

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकारों ने जनकल्याणकारी कार्यों में कोई कसर नहीं छोड़ी है। मध्यप्रदेश सरकार ने लाडली लक्ष्मी, लाडली बहना जैसी योजना चलाई जिससे महिलाओं का आत्मस मान बढ़ा है। वहीं केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास, उज्जवला, आयुष्मान भारत जैसी कई योजनाएं चलाई जिनसे जनता का कल्याण हुआ। पहले गरीब लोग बैंकों तक पहुंच नहीं पाते थे। प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार ने उनके जनधन खाते खोले और आज गरीब से गरीब आदमी भी बैंक जा रहा है। सरकार सीधे योजनाओं के पैसे खाते में डाल रही है, इससे गरीब व्यक्ति को सीधा लाभ मिल रहा है। अधोसंरचना की बात करें तो 2003 के पहले मध्यप्रदेश में मि.बंटाधार मु यमंत्री हुआ करते थे और प्रदेश की सड़कों पर चुटकुले बनने लगे थे। 2003 के बाद से जब से भाजपा की सरकार आई है, तब से प्रदेश की सभी सड़कें बढ़िया हो गई हैं। पहले उज्जैन से भोपाल जाने में 4 से 5 घंटे लगते थे और गड्ढों का सामना करना पड़ता था। अब स्थिति यह है कि उज्जैन से भोपाल जाने में सिर्फ 2 घंटे का समय लग रहा है। आधे दिन में ही व्यक्ति काम निपटाकर भोपाल से उज्जैन वापस आ सकता है। प्रदेश में पहले सिर्फ 6 मेडिकल कॉलेज थे। अब मेडिकल कॉलेज की सं या 25 के करीब हो गई है।

सरकार और संगठन ने मिलकर की पीड़ितों की सेवा

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि भाजपा एक ऐसा संगठन है, जिसने कोरोना महामारी के समय सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर जनता की काफी मदद की। हमारी पार्टी का कार्यकर्ता प्राण-प्रण और तन, मन एवं धन से जरूरतमंदों की सेवा में जुटा हुआ था। हमारी सरकारों ने जरूरतमंदों को दवाएं, राशन उपलब्ध कराकर कठिन समय में उनकी सहायता की। प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार ने काफी कम समय में चिकित्सा उपकरण और दो-दो वे सीन उपलब्ध कराई और देश की जनता को उस महामारी से बचाया।

बूथ स्तर पर योजनाओं का प्रसार करें कार्यकर्ता

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने खूब जन कल्याणकारी काम किए हैं और विकास भी किया है। लेकिन अब फिर से विधानसभा चुनाव आ रहे हैं और एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनाने के लिए आप कार्यकर्ताओं को लगना पड़ेगा। आप सब को बूथ स्तर तक जाकर सरकार की योजनाओं का ठीक ढंग से प्रचार-प्रसार करना होगा और जनता से सीधे बात करना पड़ेगी। तभी विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनावों में हमारी जीत होगी। उन्होंने कहा कि हमें कांग्रेस को परास्त करना है और इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग जरूरी है।

पूर्व आरटीओ बोरासी एवं कांग्रेस नेता व्यास ने ली भाजपा की सदस्यता

बैठक के दौरान पूर्व आरटीओ श्री जगदीश चंद्र बोरासी तथा कांग्रेस के नेता श्री रूपम व्यास ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्रसिंह तोमर ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर उन्हें पार्टी में शामिल किया।

बैठक के दौरान मध्यप्रदेश शासन के मंत्री श्री मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी श्री आलोक शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. चिंतामणि मालवीय, प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक श्री बहादुर सिंह चौहान, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री जगदीश अग्रवाल, श्री इकबाल सिंह गांधी, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, पूर्व विधायक श्री लाल सिंह राणावत, सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री किशनसिंह भटोल, पूर्व विधायक श्री दिलीप सिंह शेखावत, श्री शांतिलाल धवई, प्रदेश प्रवक्ता श्री राजपाल सिंह सिसोदिया, उज्जैन जिला अध्यक्ष श्री विवेक जोशी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, श्री रूप पमनानी, जिला महामंत्री श्री विशाल राजोरिया, श्री सत्यनारायण खोईवाल सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री श्री संजय अग्रवाल ने किया।

महंगी सब्जी में से एक, नहीं की जा सकती इसकी खेती

मंडला यशोः- जिले के मवई जनपद क्षेत्र में फैले साल के जंगलों में पत्थर की तरह नजर आने वाले पुटपुटा के लोग दीवाने हैं। कहीं-कहीं इसे बोड़ा भी कहा जाता है। काले, भूरे रंग का इस पुटपुटा को देखकर ऐसा नहीं लगता कि ये कोई खाने की चीज भी हो सकता है। लेकिन इसकी दीवानगी का आलम ऐसा है कि मवई में ये 300-400 रुपए प्रति किग्रा मिलता है, शहर पहुंचते ही इसकी कीमत 600 रुपए तक हो जाती है। वहीं अन्य बड़े शहर में पहुंचने पर ये पुटपुटा दो हजार रुपए तक पहुंच जाता है। बारिश के मौसम में करीब डेढ़ माह के दौरान साल के जंगल में स्वतः उत्पन्न होने वाला पुटपुटा की सब्जी बनाई जाती है। लोग इसे बड़े चाव से खाते हैं। लोगों का कहना है कि इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और खनिज तत्व पाये जाते हैं, जो कि इसे पौष्टिक बनाते हैं। वर्तमान में मवई क्षेत्र में यह बहुत निकल रहा है।

पुटपुटा वनस्पतिक रूप से फफूंद की श्रेणी में आता है। यह अे सर बिजली के तेज चमक के साथ वर्षा ऋतु के आगमन पर साल के वृक्ष के नीचे गर्म धरती से बाहर आता है। खाने में बड़ा ही स्वादिष्ट होता है। काले, भूरे व सफेद रंग का पुटपुटा के बाहर का भाग कठोर व काला व भूरा होता है। जबकि इसकी भीतरी भाग सफेद व पीली रंग की होती है जो की बहुत ही मुलायम होती है। लोगों का कहना है कि यह अन्य सब्जियों से भी ज्यादा स्वादिष्ट होता है।

एक फंगस है पुटपुटा

पुटपुटा दरअसल एक फंास है। वैज्ञानिकों ने इसका बॉटिनिकल नाम शोरिया रोबुस्टा रखा है। साल के जंगल में जब पहली बरसात से मिट्टी भीगती है और उसके बाद जो उमस पड़ती है, तब साल के जंगलों में लगे साल वृक्ष की जड़ एक खास तरह का द्रव छोड़ते है। भि जमीन

पर गिरे साल के सूखे पत्ते के नीचे ये फंास बनता है, जिसे पुटपुटा और अन्य क्षेत्रों में बोड़ा कहते हैं।

इतना महंगा यों

अब सवाल ये आता है कि अगर ये फंास ही है तो इतना महंगा यों है? दरअसल, यह पूरी तरह से प्राकृतिक उत्पाद है। इसकी खेती नहीं की जा सकती। ये अपने आप ही खास तरह की परिस्थिति में पैदा होता है। कड़ी मेहनत के बाद इसे जंगल से तलाश कर लाया जाता है। फंास होने के कारण वजन में काफी हल्का होता है। इसका स्वाद इसकी बड़ी डिमांड की सबसे बड़ी वजह है। वर्ष के कुछ दिन ही उसका कठिनाई से मिलना और वजन में कम होना, इसकी कीमत को बढ़ा देता है।

पोषण से भरपूर और बीमारियों में सहायक

पुटपुटा में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और खनिज तत्व पाये जाते हैं, जो कि इसे पौष्टिक बनाते हैं। वहीं कुपोषण, दिल और पेट के रोगों में भी ये फायदेमंद माना जाता है, इसलिए ये पुटपुटा जंगल पर निर्भर रहने वाले ग्रामीणों के भोजन का वर्षों से एक हिस्सा बना हुआ है। हालांकि अब पुटपुटा महानगरों तक पहुंच गया है।

धरम सिंह धुर्वे ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ने बताया कि पुटपुटा एक प्राकृतिक उत्पाद है। इसकी खेती नहीं की जाती है, यह प्राकृति का अद्भुत उपहार है। जिसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और अन्य खनिज तत्व पाये जाते हैं, जो इसे पौष्टिक बनाते हैं। बारिश के सीजन में इस सब्जी को वनांचल क्षेत्र के लोग प्रमुख रूप में उपयोग करते है। यह पौष्टिक सब्जी मंडला जिले के मवई क्षेत्र में प्रायरू मिलती है, ` योंकि यह पुटपुटा साल के जंगलों में मिलता है। पुटपुटा अपने अनेक गुणों के कारण इसकी मांग बढ़ गई है, जिसके कारण इसकी कीमत में भी इजाफा हुआ है।

श्री हरियाली महोत्सव का आयोजन आज

सिवनी यशोः- सिवनी जिला मु यालय में स्थित श्री प्राचीन सूर्य मंदिर प्रागण टेगौर वार्ड में आज 6 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक श्री हरियाली महोत्सव के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये है। सूर्य मंदिर समिति एवं समस्त सामाजिक महिला संगठन के तत्वाधान में श्री हरियाली महोत्सव के अवसर पर ग्रीन श्रृंगार के साथ समस्त सामाजिक महिला संगठनों को आमंत्रित किया गया है। हाथों में मेंहदी, बालों में गजरा, नयनों में कजरा, सखियों का मन भाया सावन आया, सावन आया की झलकियां श्री राधाकृष्ण की झाकियां, सावन के झूले, सावन के गीत, महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, खेल, समस्त संगठनों के द्वारा भगवान श्री आदित्य नारायण सूर्य भगवान की महाआरती के बाद स्वल्पाहर के पश्चात कार्यक्रम का समापन होगा। ज्ञात हो कि हरियाली महोत्सव पर प्रतिवर्ष श्री प्राचीन सूर्य मंदिर समिति एवं महिला संगठनों के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये जाते है, इसी तारत य में इस वर्ष भी श्री हरियाली महोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

कंज टीवाइटिस का हो योपैथी में है समुचित इलाज

गांव से लेकर शहर तक फैल रहा है आई लू

सिवनी यशोः- कंजे टीवाइटिस आंखो का एक संक्रमण है जिसे आम तौर पर पिंक आई के नाम से जाना जाता है। यह बीमारी, एडिनो वायरस की वजह से होता है। इसे ठीक होने में एक सप्ताह या उससे अधिक समय भी लग सकता है, आई लू से संक्रमित होने पर आपकी आंख लाल हो जाएगी और उसमें खुजली होने लगती है, साथ ही आंख से पानी बहने लगता है।

इन्के शन बै टरियल और एलर्जिक -डॉ. अभिषेक शु ला

जलन के साथ चुभन एवं सूजन आना, अधिक मात्रा में कीच आना, रात में सोने के बाद सुबह आंखो का चिपकना ही प्रमुख लक्षण है। सिवनी के जाने-माने होमियोपैथिक चिकित्सक डॉ. अभिषेक शु ला कहते हैं कि कंजे टीवाइटिस या आई लू का हो योपैथी में भी ईलाज संभव है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों में हो योपैथिक दवाई का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है। संक्रमित व्यक्ति के लक्षणों के आधार पर दवाई दिया जाता है जिसमें एकोनाइट, बेलाडोना, पल्स, यूफेसिया, सल्फर, मार्क सोल आदि प्रमुख दवाईयां हैं। संक्रमित व्यक्ति को सावधानी बरतने का विशेष ध्यान रखें, आंखो को बार- बार छुऐं नहीं। रोगी के द्वारा इस्तेमाल छूने से संक्रमण फैल सकता है। इसलिए उनके उपयोग की गई चीजे अलग रखें, संक्रमित व्यक्ति को लोगों के स पर्क में आने बचना चाहिए ताकि बीमारी फैल न सके, घर से बाहर निकलने पर काला चश्मा का उपयोग करें।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण

मंडला यशोः- महिला एवं बाल विकास जिला मंडला अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य स्तरीय प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स पर्यवेक्षक एवं शिक्षकों द्वारा 1 अगस्त से 5 अगस्त 2023 तक क्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 17 स्थानों पर शाला पूर्व शिक्षा एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा का महत्व के संबंध में प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण द्वारा केंद्रों के आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अ यास पुस्तिकाओं अनुरूप 3 से 4 वर्ष, 4 से 5 वर्ष एवं 5 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधान, शाला पूर्व शिक्षा का महत्व, शाला में प्रवेश पूर्व बच्चों के मस्तिष्क का विकास क्रम की अवस्था, शाला पूर्व शिक्षा अंतर्गत बच्चों के सीखने की प्रक्रिया, शाला प्रवेश पूर्व बच्चों के मानसिक विकास, बच्चों के स्वास्थ्य तथा बच्चों के सीखने के दौरान अच्छे संवादक बनने आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

फ़िल्म OMG 2 में पंकज त्रिपाठी के साथ दिखाई देंगे, इंदौर के संगीत कलाकार कमल काले

इंदौर - बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की अपकमिंग फिल्म 'ओ माय गॉड 2' सिनेमाघरों में 11 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। जिसमे इंदौर शहर के युवा संगीत कलाकार कमल कुमार काले भी दिखाई देने वाले है। जिसमे वह अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ महाकाल मंदिर में फिल्माए गए गाने के दृश्यों में दिखाई देंगे। इंदौर के लक्ष्मणपुरा निवासी एक युवा कमल संगीत कलाकार है जो एक कीबोर्ड आर्टिस्ट है। विगत वर्ष 2021 के अे ट्रबर महीने में अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की फ़िल्म ओ माय गॉड 2 की शूटिंग उज्जैन के महाकाल मंदिर में हुई थी, जिसमे ऊची ऊची वादियों में वाले गीत की शूटिंग महाकाल मंदिर में शूट की गई थी। जिसमे कमल को शूटिंग में हिस्सा लेने का अवसर मिला था। जिसमे उन्हें मंदिर में अपना कीबोर्ड बजाने का कार्य दिया गया था। जिसमे अन्य साथी कलाकर भी मौजूद थे। पंकज त्रिपाठी जी के साथ फिल्माए गए गीत ऊची ऊची वादियों में बसते है भोले शंकर बहुत लोकप्रिय हो रहा है। जिसमे कमल ने काम किया।

कमल काले ने बताया कि वह एक संगीत कलाकार है जो आर्केस्ट्रा के आयोजनों में अपनी कला की प्रस्तुति देते है। उसे उज्जैन में होने वाली इस 'ओ माय गॉड 2' की शूटिंग के लिए एक परिचित के जरिये अपने साथी कलाकारों के साथ हिस्सा लेने का अवसर मिला था। अब जब फिल्म्य रिलीज होने जा रही है, तो वह बहुत उत्सुक है अपने आप को बड़े पर्दे पर देखने के लिए, अभिनेता पंकज जी के बारे में उन्होंने बताया कि उनके साथ काम कर के बहुत अच्छा लगा वह बहुत अच्छे कलाकार है। कमल के पिता नेमीचंद काले, माता लता काले और भाई बहनों को बेसब्री से इंतजार है कमल को फिल्मी पर्दे पर देखने का उन्हें बस अब 11 अगस्त का इंतजार है कि फ़िल्म पर्दे पर आए और हम परिवार सहित देखने जाए।

गुरुकुल पब्लिक स्कूल में निष्पक्ष संपन्न हुए चुनाव

बरघाट यशोः- ह्यूमन रिसोर्सेस फेडरेशन के अनुसांगिक संस्थान गुरुकुल पब्लिक स्कूल बरघाट में निष्पक्ष चुनाव प्रणाली से चुनाव स पन्न कराया गया।विद्यालय में हाउस हेड एवं स्कूल हेड गर्ल, हेड बॉय हेतु चुनाव आयोजित हुआ।

विद्यालय चुनाव आयुक्त बी.एस.ठाकुर द्वारा बच्चों को चुनाव प्रक्रिया समझाकर न्यायपूर्ण चुनाव कराया गया।जिसमें विद्यालय को चार हाउस में विभाजित करके उनके कैप्टेन चुने गए। विद्यालय में हेड गर्ल में नबीला खान एवं हेड बॉय में प्रतीक हरिनखेड़े ने जीत हासिल की। इनका चुनाव जीते हुए हाउस कैप्टेन एवं लास कैप्टेन एवं शिक्षकों द्वारा किया गया। साथ ही इस चुनाव में ग्रीन हाउस से ना या सिंह राजपूत एवं प्रिंस सूर्यवंशी, रेड हाउस से राशि टेभरे एवं कनिष्क बोपचे, ब्लू हाउस से हेरवी तुरकर एवं ओम रहांगडाले, तथा येलो हाउस से कनक बोपचे एवं छव बोपचे विजेता रहे।कक्षा 3 से कक्षा 12वीं तक विद्यार्थियों ने हाउस कैप्टेन के चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।सभी शिक्षकों एवं चुनाव कमेटी द्वारा न्यायपूर्ण चुनाव कराया गया। संस्था प्रमुख नरेश सिंह राजपूत एवं प्राचार्य ज्योति सिंह राजपूत द्वारा चुनाव में सि मलित सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता रहे विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रदान की गई। साथ ही उनकी जि मेदारियों का निर्वहन करने हेतु आशीर्वाद प्रदान किया गया।

मतदाता जागरूकता के लिए तीनों विधानसभावार प्रचार रथ रवाना

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

मंडला यशोः- आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत मतदाताओं को ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए प्रेरित करने, मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा मतदाता जागरूकता गतिविधियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में शनिवार को जिले की तीनों विधानसभा मंडला, बिछिया तथा निवास के लिए 3 मतदाता जागरूकता रथ कले ट्रेट परिसर से रवाना हुए। कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एडीएम ने दिलाई शपथ

मतदाता जागरूकता प्रचार रथों के रवाना होने के पश्चात एडीएम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र कुमार सिंह ने कले टर परिसर एवं प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारियों को मतदाता जागरूकता एवं स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण में सहयोग की शपथ दिलाई। इस अवसर पर वरिष्ठ राजस्व अधिकारी, संबंधित विभाग के अधिकारी तथा कले ट्रेट कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रचार रथों द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए निर्देश जारी

कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 के अंतर्गत नवीन/युवा मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं आगामी विधानसभा निर्वाचन- 2023 में अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित करने निर्देश जारी कर दिए हैं। जारी निर्देशों में उन्होंने कहा है कि जिले के प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 1-1 जागरूकता वाहन (एलईडी वॉलयुक्त) उपलब्ध कराया जा रहा है। यह जागरूकता वाहन आपके द्वारा निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 31 अगस्त 2023 तक भ्रमण कर प्रचार-प्रसार करेगा। इसी तारत य में आपके निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार-प्रसार हेतु उपलब्ध कराए जा रहे जागरूकता वाहन में ई0व्ही0एम0 द्वारा मतदान की प्रक्रिया के प्रदर्शन हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करें।

ई0व्ही0एम0 प्रदर्शन से वोटिंग प्रक्रिया की जानकारी

इस दौरान ट्रेनिंग एवं अवेयरनेस कैपेन के अंतर्गत आपके विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत् जिला/अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मु यालय पर स्थापित/संचालित किए जा रहे ई0व्ही0एम0 प्रदर्शन केन्द्र हेतु इस कार्यालय द्वारा पूर्व में आपको 2-2 ईव्हीएम/व्हीव्हीपीएटी मशीन के साथ 4-4 बैटरी पैक एवं पेपररोल उपलब्ध कराए गए थे। इनमें से 1 अतिरिक्त ईव्हीएम/व्हीव्हीपीएटी मशीन तथा अतिरिक्त बैटरी पैक एवं पेपर रोल का उपयोग जागरूकता वाहन में मतदान प्रक्रिया के प्रदर्शन हेतु किया जाए। ई0व्हीएम/व्हीव्हीपीएटी मशीनों हेतु अतिरिक्त बैटरी पैक तथा पेपररोल की आवश्यकता हो तो, मांग-पत्र भेजकर निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त कर लिया जाए।

जागरूकता वाहन में प्रदर्शन हेतु उपयोग में लाई जाने वाली ई0व्हीएम0 मशीनों को आयोग के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार प्रतिदिन अस्थाई स्ट्रांग रूम से सुरक्षित निकालने एवं जमा किए जाने का दायित्व किसी जि मेदार अधिकारी को सौंपे तथा स्थानीय स्तर पर क्षेत्रीय कार्मिकों को ई0व्ही0एम0 मशीनों के संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया जाकर निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार जागरूकता वाहन में ई0व्ही0एम0 मशीनों के प्रदर्शन हेतु इन प्रशिक्षित कार्मिकों की आवश्यकता अनुसार ड्यूटी लगाएं। जागरूकता वाहन में भ्रमण के दौरान प्रदर्शन के लिए उपयोग में लाई जाने वाली ई0व्हीएम/व्हीव्हीपीएटी मशीनों की सुरक्षा हेतु स्थानीय स्तर पर पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित कर, आवश्यक सुरक्षा बल की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

जागरूकता वाहन में ई0व्हीएम-व्हीव्हीपीएटी मशीनों के माध्यम से निर्वाचन क्षेत्र के अधिक से अधिक आमजन/मतदाताओं को मतदान की प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी दी जाकर आयोग द्वारा निर्धारित डमी मतपत्र चिन्हों का उपयोग करते हुए, मशीनों से मतदान की प्रक्रिया संपादित करें तथा व्हीव्हीपीएटी मशीनों में एकत्रित वोटिंग स्लिप/पर्चियों को ग्रेडिंग मशीन के द्वारा प्रतिदिन ग्रेडिंग कर अनिवार्य रूप से विनिष्ट करें। जागरूकता वाहन के भ्रमण के दौरान ई0व्हीएम/व्हीव्हीपीएटी मशीनों के प्रदर्शन से संबंधित उच्च गुणवत्ता वाले फोटोग्राफ्स लिए जाकर कम से कम 10 फोटोग्राफ्स निर्वाचन कार्यालय को ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध कराएं।

दहशत के साए में स्कूल की पढ़ाई, डिस्मेंटल के आदेश के बाद भी,,,

सिवनी यशोः- नगर सीमा से लगी शासकीय माध्यमिक शाला पलारी में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं दहशत में अपनी पढ़ाई करने मजबूर हैं। शिक्षकों ने जर्जर हो चुके स्कूल भवन को डिस्मेंटल किए जाने के लिए शासन प्रशासन को कई बार पत्र लिखा, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। ऐसे में कभी भी कोई बड़ा हादसा घट जाए इससे इंकार नहीं किया जा सकता है।

इमली पठार पंचायत क्षेत्र में बिजली का तार काट कर ले गए अज्ञात चोर

सरपंच ने जागरूकता का परिचय देते हुए शासकीय संपत्ति की चोरी की दर्ज कराई रिपोर्ट

छपरा यशोः-जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत आमली पठार के सरपंच द्वारा पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम ऊंटकटा से टिंगीटोला ग्राम तक लगभग 14 विद्युत पोलों का तार 27 जुलाई की रात्रि में किसी अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा चोरी किया गया जिसकी लिखित रिपोर्ट सरपंच के द्वारा दूसरे दिन छपरा थाने में दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इमली पठार ग्राम के सरपंच ने उक्त शासकीय संपत्ति के नुकसान को देखते हुए जागरूकता का परिचय देते हुए सरपंच द्वारा इस विद्युत तार चोरी की घटना की रिपोर्ट छपरा स्थित विद्युत मंडल के कार्यालय में दी साथ ही छपरा थाना में भी उक्त घटना की लिखित शिकायत दी।

वही विद्युत विभाग से जुड़े जानकारों से मिली जानकारी के अनुसार इमली पठार पंचायत के ग्राम ऊंटकटा से टिंगीटोला तक लगभग 14 विद्युत पोलों की दूरी थे जिसमें चोरी हुए विद्युत तारों की अनुमानित कीमत लगभग एक से डेढ़ लाख रूपये के आसपास बताई जा रही हैं

वही जानकारी मिली की उक्त बिजली के तार अतिरिक्त लाइन थी जिसमें विद्युत का करंट नहीं था, चमारी क्षेत्र से उक्त विद्युत लाइन लाई जा रही थी जिसका कार्य भी पूर्ण नही हुआ और इन पर चोरों की नजर पड़ गई,विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते शासकीय संपत्ति का नुकसान होता नजर आ रहा हैं।

इनका कहना है

उक्त चोरी की घटना की जानकारी मुझे भी है हमारे जूनियर इंजीनियर द्वारा इसकी एफ आई आर भी दर्ज कराई गई है, मामला जांच में है।

शैलेंद्र नाथ सक्सेम

मध्य प्रदेश विद्युत मंडल कार्यालय छपरा विद्युत तार चोरी की घटना पर अज्ञात लोगों के ऊपर मामला दर्ज कर जांच जारी है

जे.एस.उइके

जांच अधिकारी छपरा पुलिस

तीनों विधानसभाओं के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) का प्रशिक्षण संपन्न

डाईट में तीन पालियों में प्रशिक्षण आयोजित हुआ, मास्टर ट्रेनर्स ने समझाई निर्वाचन प्रक्रिया की बारीकियाँ

मंडला यशोः- कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) का प्रशिक्षण डाईट सभाकक्ष में आयोजित किया गया। बूथ लेवल एजेंट के लिए आयोजित प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान अपनाई जाने वाली समस्त प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। डाईट मंडला के सभागार में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-105 बिछिया के लिए नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण प्रातः 11 बजे से 12 बजे तक, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-106 निवास के लिए नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण दोपहर 12 बजे से 1:30 बजे तक तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-107 मंडला के लिए नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण दोपहर 3:30 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में संयुक्त कले टर हुनेन्द्र घोरमारे, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर, एसके श्रीवास्तव एवं संबंधित उपस्थित थे।

मास्टर ट्रेनर ने प्रशिक्षण के दौरान सभी बीएलए से कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान अपनी जि मेदारी का गंभीरतापूर्वक निर्वाहन करें एवं समस्त प्रक्रिया को बारीकि से समझें। संयुक्त कले टर हुनेन्द्र घोरमारे ने कहा कि मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 2 अगस्त 2023 से शुरू हो गया है। उन्होने कहा कि मतदान केन्द्रों पर आगामी 10 अगस्त तक प्रारूप वाचन का कार्य किया जाएगा। बीएलए प्रशिक्षण में फोटोयुक्त मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत् नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत या बाहर जा चुके मतदाताओं के नाम काटने एवं मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बौझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297